सम्पादकीय.....

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की वार्षिक हिन्दी पत्रिका **"प्रवाहिनी"** का 18वॉं अंक सुधी पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। यह अंक निदेशक राजसं की प्रेरणात्मक पहल, विद्वत लेखकों के सहयोग तथा आप समस्त महानुभावों के मिले-जुले प्रयासों का ही प्रतिफल है।

प्रस्तुत अंक में राजभाषा हिन्दी, कविता, चिकित्सा, कम्प्यूटर, जलविज्ञान तथा अन्य प्रासंगिक विषयों से जुड़े लेखों को शामिल किया गया है। हम उन सभी प्रबुद्ध लेखकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं तथा शुभकामनाएं देते हैं जिन्होंने अपने रोचक एवं उपयोगी लेख देकर राजभाषा हिन्दी का मान-सम्मान बढ़ाया है तथा पत्रिका के प्रकाशन में हमें सहयोग दिया है। पत्रिका में सम्मिलित लेखों की भाषा को सरल बनाए रखने का पूरा प्रयास किया गया है ताकि हर वर्ग के पाठक को यह रूचिकर तथा उपयोगी लग सके।

पाठकों से अनुरोध है कि वे इस पत्रिका की साज-सज्जा तथा सामग्री आदि में सुधार संबंधी अपनी प्रतिक्रियाओं से हमें अवश्य अवगत कराएं।

संपादक मंडल